



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 15, 1982/फाल्गुन 25, 1903
No. 49] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 15, 1982/PHALGUNA 25, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(प्राथमिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नयी दिल्ली, 15 मार्च, 1982

सं० एफ० 4(5)-वसू० एंड० एम०/81-— 6.00 प्रतिशत ऋण 1985 (दूसरा निर्गम), 6.75 प्रतिशत ऋण, 1991 (दूसरा निर्गम), और 8.00 प्रतिशत ऋण, 2011 (पांचवां निर्गम) के लिए 405 करोड़ रुपये की कुल राशि के लिए 29 मार्च, 1982 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी में स्वीकार किये जाएंगे। परकाम्य लिखन अधिनियम, 1881 के अधीन किये गये राज्य सरकार द्वारा 29 मार्च, 1982 को सुदृढ़ घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जाएंगे। सरकार की 405 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों को रख देने का अधिकार है।

1443 GI/81

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 415.50 करोड़ रुपये से अधिक हो तो ऋणों के संदर्भ में प्रातुगतिक आधार पर प्राथमिक आबंटन किया जाएगा। यदि प्राथमिक आबंटन किया जाता है तो प्राथमिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 21 जुलाई, 1985 को सममूल्य पर प्रविष्ट 6.00 प्रतिशत ऋण, 1985 (दूसरा निर्गम)

(i) बाण्मी अनायगी की तारीख—ऋण 21 जुलाई, 1985 को सममूल्य पर प्राथमिक अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—आवेदन ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सैंके-निक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 29 मार्च, 1982 से वार्षिक 8.00 प्रतिशत होगी; 29 मार्च से 20 जुलाई, 1982 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए, ब्याज 21 जुलाई,

(247)

1982 को भदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 21 जनवरी और 21 जुलाई को ब्याज भदा किया जाएगा। इस प्रकार भदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये गये अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन भ्राय कर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 जुलाई, 1991 को सममूल्य पर प्रतिदेय 6.75 प्रतिशत ऋण, 1991 (दूसरा निर्गम)

- (i) वापसी भदायगी की तारीख—ऋण 21 जुलाई, 1991 को सममूल्य पर वापस भदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹० 100.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 29 मार्च, 1982 से वार्षिक 6.75 प्रतिशत होगी; 29 मार्च, से 20 जुलाई 1982 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए ब्याज 21 जुलाई, 1982 को भदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 21 जनवरी, और 21 जुलाई को ब्याज भदा किया जाएगा। इस प्रकार भदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन भ्रायकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

5. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 27 अप्रैल, 2011 को सममूल्य पर प्रतिदेय 8.00 प्रतिशत ऋण, 2011 (पंचवां निर्गम)

- (i) वापसी भदायगी की तारीख—ऋण 27 अप्रैल, 2011 को सममूल्य पर वापस भदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹० 100.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 29 मार्च, 1982 से वार्षिक 8.00 प्रतिशत होगी। 29 मार्च, 1982 से 26 अप्रैल, 1982 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 27 अप्रैल, 1982 को भदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 27 अक्टूबर और 27 अप्रैल को ब्याज भदा किया जाएगा। इस प्रकार भदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन भ्रायकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

6. पूरक व्यवस्थाएं—आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे—

- (क) अहमदाबाद, बंगलूर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और
- (ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में अन्य सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

7. ब्याज भदा करने का स्थान : इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बंबई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राज-को या उप राजकोष में ब्याज भदा किया जाएगा।

8. ब्याज भदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर काटे गये कर की वापसी भदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जो कर के पात्र नहीं हैं या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जो धारक कर-पात्र नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर-पात्र है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होनेवाली न्यूनतर दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज भदा किया जाए।

9. भदा जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलनेवाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 3,000 रुपये की सीमा तक और भ्राय कर अधिनियम, 1961 की धारा 80 ड के अन्य उपबंधों के अधीन भ्राय-कर से छूट प्राप्त होगी।

10. भदा जारी किये जानेवाले ऋणों में किये जानेवाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 1,50,000 रुपये की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियों निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी—

- (i) स्टॉक प्रमाणपत्र, या
- (ii) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदनपत्र-ऋणों के लिए आवेदनपत्र ₹० 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की भदायगी की अपेक्षा करता हो।

14. आवेदनपत्रों के साथ आवेदक राशि तकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जानेवाले चेक संबंधित बैंक के नाम प्राहरित किये जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहुरयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये प्रावधानों पर प्रति ₹० 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली भदा की जाएगी।

दलाली की भदायगी के लिए ऋण किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से,

अखिलेश चंद्र तिवारी, संयुक्त सचिव

आवेदन-पत्र का कार्य

मैं/हम* इसके साथ रु० (.....
(पूरा/पूरे नाम)
..... रुपये) के लिए नकदी*/बैंक प्रस्तुत करना हूँ/करते हैं* और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं* कि
मुझे/हमें* नीचे उल्लिखित/मूल्यवर्ग/मूल्य वर्गों में* वचनपत्र (पत्रों)/स्टाक प्रमाणपत्र† के रूप में रुपये के संचित मूल्य के
6.00 प्रतिशत ऋण, 1985 (दूसरा निर्गम)*/6.75 प्रतिशत ऋण, 1991 (दूसरा निर्गम)*/8.00 प्रतिशत ऋण, 2011 (पाँचवाँ निर्गम)* की प्रतिभूतियाँ
जारी की जाएँ :—

प्रति वचनपत्र	रु०	का (के)†	वचनपत्र
प्रति वचनपत्र	रु०	का (के)†	वचनपत्र
प्रति वचनपत्र	रु०	का (के)†	वचनपत्र

2. मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं* कि उनका व्याज से भरा किया जाये।

विशेष टिप्पणी : इस खाते में आवेदक कुछ न लिखें प्रविष्टियाँ दादाता कार्यालय द्वारा की जाएँगी।

	छोटे हस्ता०	बिनांक
आवेदन पत्र सं०	हस्ताक्षर
"दलाली नहीं" मुहर	पूरा (पूरे) नाम
नकदी प्राप्त होने की तारीख
बैंक वसूल होने की तारीख	पता
विशेष चालू खाते में जमा करने की तारीख
जांच की गयी
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया बिनांक मार्च, 1982
मांग पत्र सं०
प्रतिभूति सं०
कार्ड सं०
वाउचर पारित करने की तारीख

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

†रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000 रु०, 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में वचन-
पत्र जारी किये जाएँगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उल्लेख किया जाए।

टिप्पणी : (1) प्रत्येक ऋण और अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

(2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम,
व्यवसाय और पते दिये जाएँ।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में
पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो, सलग किये जाएँ :

(i) निगमन/पंजीकरण की मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले एकाधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी प्रतिलिपि।

(ii) कम्पनी/निकाय के शासन पत्र और अर्धनियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।

(iii) कम्पनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्तियों के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित
प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

(4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें छमाही व्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध
प्रादेश फार्म भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th March, 1982

No. F 4(5)-W&M/81.—Subscriptions for the issues of 6.00 per cent. Loan, 1985 (Second Issue), 6.75 per cent. Loan, 1991 (Second Issue) and 8.00 per cent. Loan, 2011 (Fifth Issue) for an aggregate amount of Rs. 405 crores will be received in the form of cash on the 29th March, 1982 upto the close of Banking hours. In the event of 29th March, 1982 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State up to the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain Subscriptions received up to 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 405 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 445.50 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. **6.00 per cent. Loan, 1985 (Second Issue)** issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st July, 1985.

(i) **Date of Repayment.**—The Loan will be repaid at par on the 21st July 1985.

(ii) **Issue price.**—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) **Interest.**—The Loan will bear interest at the rate of 6.00 per cent. per annum from 29th March, 1982. Interest for the period 29th March to 20th July, 1982 (inclusive) will be paid on 21st July, 1982 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 21st January, and 21st July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. **6.75 per cent. Loan, 1991 (Second Issue)** issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st July, 1991.

(i) **Date of Repayment.**—The Loan will be repaid at par on the 21st July, 1991.

(ii) **Issue Price.**—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) **Interest.**—The Loan will bear interest at the rate of 6.75 per cent. per annum from 29th March, 1982. Interest for the period 29th March to 20th July, 1982 (inclusive) will be paid on 21st July, 1982 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 21st January, and 21st July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. **8.00 per cent. Loan, 2011 (Fifth Issue)** issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 27th April, 2011.

(i) **Date of Repayment.**—The Loan will be repaid at par on the 27th April, 2011.

(ii) **Issue price.**—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) **Interest.**—The Loan will bear interest at the rate of 8.00 per cent. per annum from 29th March, 1982. Interest for the period 29th March to 26th April, 1982 (inclusive) will be paid on 27th April, 1982 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 27th October and 27th April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. **Supplementary Provisions :** Applications will be received at :—

(a) **Offices of the Reserve Bank of India** at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna; and

(b) **Branches of the State Bank of India** at all places in India except at (a) above.

7. **Place of Payment of Interest.**—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Office of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

8. **Refund of tax deducted at the time of payment of interest** (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

9. **Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments** will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. **The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act** will also be exempt from the Wealth-tax upto Rs. 1,50,000.

11. **The securities will be issued in the form of—**

- (i) Stock Certificates, or
- (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. **Applications for the Loans.**—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

13. **Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.**

14. **Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered**

at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

Order of the President,
A.C. TIWARI, Joint Secretary.

FORM OF APPLICATION

I/We*

[Full name(s) in Block Letters]

..... horewith tender *Cash Rs.

Cheque for

..... (Rupees

.....) and request that securities of 6.00 per cent. Loan, 1985 (Second Issue)* / 6.75 per cent. Loan, 1991 (Second Issue)* / 8.00 per cent. Loan, 2011 (Fifth Issue)* of the nominal value of Rs. may be issued to me/us* in the form of *Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below :

Stock Certificate.

..... Promissory Note (s)* of Rs. each

..... Promissory Note (s)* of Rs. each

..... Promissory Note (s)* of Rs. each

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B. :- The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Office.

Initials

Date

Application No.

N.B. Stamp

Signature (s)

Name (s) in full

(BLOCK LETTERS)

Cash received on

Cheque realised on

Credited to Special Current Account on

Examined

Address

Cash Applications Register Posted

Brokerage Register Posted

Indent No.

Scrip No.

Card No.

Dated the of

Voucher passed on

..... March, 1982.

*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

NOTES :—(1) Separate applications should be made for each Loan and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-laws of the company/body.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

